085/X/SA2/36/B1

विद्यार्थी उत्तर-पुस्तिका में मुख पृष्ठ पर कोड नं. अवश्य लिखें।

कक्षा - X

हिन्दी

(पाठ्यक्रम - ब)

निर्धारित समय : 3 घंटे] [अधिकतम अंक : **80**

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **13** हैं।
- प्रश्न-पत्र में बाएँ हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **18** प्रश्न हैं।
- कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले उस प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए **15** मिनट का समय दिया गया है।

निर्देश :

(i) इस प्रश्न-पत्र के **चार** खंड हैं — **क, ख, ग** और **घ**।

(ii) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** है।

(iii) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः दीजिए।

खंड 'क'

1. **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तरों वाले विकल्प चुनकर लिखिए।** **1x5=5**

बीसवीं सदी के पहले पाँच दशक मानव सभ्यता के लिए निर्णायक साबित हुए हैं। लगातार दो विश्वयुद्धों, नाजी कंस्ट्रेशन कैंपो और हिरोशिमा-नागासाकी की भयावहता ने पहली बार सभ्यता और इंसान के वजूद पर सवालयि निशान लगा दिया। इस उथल-पुथल ने गहरी दुश्मनियों और हथियारों की होड़ को जन्म दिया, जिसके चलते आनेवाले कई दशक शीतयुद्ध की गिरफ्त में चले गए। इंसान तीसरे विश्वयुद्ध की आशंका तले जीता रहा।

मॉडर्न कार्टून की जड़ें इन्हीं हालात में पनपी हैं। जब पहली बार एक अकेले इंसान को युद्ध की त्रासदियाँ झेलनी पड़ी, उसका घर उजड़ा, परिवार बिखरा, उसे नाजी डेथ कैंप में ले जाया गया, तो ऐसे में पहली बार उसने अकेले ही व्यवस्था को चुनौती दी। अपना सब कुछ खो देने के बावजूद एक हथियार उसके पास अब भी था - उपहास का। सिस्टम के खोखलेपन को, उसके सभी जड़ मूल्यों को चुनौती देने का भला इससे बढ़िया हथियार और क्या हो सकता था ?

कार्टून एक समानांतर विश्व दर्शन है, एक वैकल्पिक नज़रिया है। खोखले मूल्यों की धज्जी उड़ाता उपहास इसकी पहली और आखिरी शर्त है। आज का कार्टून आधुनिक लोकतंत्र का उत्पाद है और इसीलिए वह मध्ययुग के कार्टून से अलग है। मध्ययुग, में कार्टून किसी राजा या उसके शासन के खिलाफ बनाए जाते थे, लेकिन आज लोकतंत्र में आम आदमी व्यवस्था के भीतर रहकर ही व्यवस्था की खिल्ली उड़ाता है। यह ताकत उसे लोकतंत्र से मिली है।

(1) शीतयुद्ध की परिस्थितियाँ क्यों बन आई थीं ?

(क) ग्रीष्मयुद्ध के पश्चात शीतयुद्ध होने के कारण

(ख) हिरोशिमा-नागासाकी पर गिराए गए परमाणु बम के कारण

(ग) नाजी कंसंट्रेशन कैंपों के कारण

(घ) शत्रुता और हथियारों की होड़ के कारण

(2) 'मॉडर्न कार्टून' की जड़ें कब पनपीं ?

(क) जब हथियारों की होड़ बढ़ी।

(ख) जब लोकतंत्र विकसित हुआ।

(ग) जब युद्धों की त्रासदी ने इंसान को अकेला कर दिया।

(घ) जब आदमी परिपक्व होकर युद्ध के लायक बना।

(3) कार्टून सक्षम होते हैं -

(क) युद्ध करवाने में

(ख) देश को मजबूत बनाने में

(ग) लड़ाई बंद करवाने में

(घ) खोखले मूल्यों का मजाक उड़ाने में

(4) कार्टूनों को लोकतंत्र का उत्पादन क्यों कहा गया है?

(क) क्योंकि कार्टून को लोकतंत्र से बल मिला है।

(ख) क्योंकि कार्टून का भी अन्य वस्तुओं की तरह उत्पादन किया जाता है।

(ग) क्योंकि कार्टूनों को बनाकर पैसा कमाया जाता है।

(घ) क्योंकि कार्टूनों से लोकतंत्र को ताकत मिलती है।

(5) मध्ययुग और आज के कार्टूनों में क्या अंतर है?

(क) मध्ययुग में कार्टून नहीं छपते थे आज के युग में छपते हैं।

(ख) मध्ययुग में कार्टून किसी राजा की व्यवस्था के खिलाफ होते थे।

(ग) दोनों में कोई अंतर नहीं है।

(घ) आज व्यवस्था में रहकर उसी व्यवस्था के खिलाफ बनाए जाते हैं।

2. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पुछे गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए। 1x5=5

जब से तेल की कीमतें चढ़ी हैं, दुनिया भर में वैकल्पिक ईंधन की तलाश ने जोर पकड़ा है। भविष्य डरावना है, क्योंकि तेल या तो अपनी कीमत से दुनिया का तेल निकाल देगा या प्रदूषण से इंसानों का दम घोंट देगा या फिर उसके कुएँ सूख जाएँगे और सभ्यता अँधेरे में खो जाएगी। इस डरावने कल से बचने के लिए जिन ऊर्जा स्रोतों पर निगाहें टिकी हैं, उनमें एक जैव ईंधन भी है। इससे दुनिया को बहुत बड़ी उम्मीद है और तमाम देशों में इसे ट्रांसपोर्टेशन के लिए इस्तेमाल करने के ऊँचे लक्ष्य तय किए जा रहे हैं। मसलन यूरोप सन 2020 तक अपनी 10 पर्सेंट ऊर्जा-जरूरत जैव ईंधन से पूरी करना चाहता है। भारत में भी पेट्रोल में पाँच पर्सेंट एथनॉल मिलाने का प्लान है। गन्ना और मक्का से लेकर सोयाबीन, जटरोपा, रेपसीड, पाम और कई दूसरे पौधों-पेड़ों से जैव ईंधन निकाला जा रहा है। लेकिन इधर ऐसी आवाजें उठने लगी हैं जो जैव ईंधन के रंग में भंग डालनेवाली साबित हो सकती हैं। कई जानकार सवाल उठा रहे हैं कि जैव ईंधन की यह मारामारी कहीं जंगलों का सत्यानाश करके और भी बड़ा पर्यावरण संकट तो खड़ा नहीं कर देगी? खतरा यह भी है कि ईंधन के लालच में हम अपने भोजन से हाथ धो बैठेंगे। यू.एन. के खाद्य दूत का कहना है कि जैव ईंधन के चक्कर में हजारों-लाखों लोगों की भूख से जान जा सकती हैं। इन चेतावनियों को नजरअंदाज करने की कोई वजह नहीं है, क्योंकि खतरे की आहटें सुनाई देने लगी हैं। मसलन इंडोनेशिया और मलेशिया में पाम की रोपाई के लिए जंगल काटे जा रहे हैं। अमेजन के वर्षा वनों को उजाड़कर सोयाबीन बोई जा रही है। सोयाबीन और मक्का के भाव ऊपर चढ़ रहे हैं और यहाँ भारत के कुछ राज्यों में भी किसान खाद्य फसलों को छोड़कर इस नई इंडस्ट्री की सेवा में जूट गए हैं। जब एथनॉल की अनिवार्य ब्लैंडिंग शुरू होगी, तो शक्कर के लिए गन्ने की कमी हमें महसूस हो सकती है। जाहिर है, जैव ईंधन को लेकर सावधानी बरतने की जरूरत है। ऐसा इसलिए भी कि अकेले जैव ईंधन से ऊर्जा की जरूरत पूरी होनेवाली नहीं। हमें वैकल्पिक ऊर्जा के कई स्रोत खटखटाने पड़ेंगे, जैसे हाइड्रोजन, सोलर पावर, न्यूक्लियर एनर्जी, विंड पावर और कैटल-वेस्ट। अगर हम इन सब पर एक साथ जोर देंगे, तो वैकल्पिक ऊर्जा की इकॉनमी में बैलेंस बना रहेगा और जैव ईंधन की दौड़ काबू से बाहर नहीं जाएगी।

(1) 'जैव ईंधन' से क्या अभिप्राय है?

(क) जीवों की हड्डियों से प्राप्त ईंधन

(ख) गोबर से प्राप्त ईंधन

(ग) वनस्पतियों से प्राप्त ईंधन

(घ) गैस के रुप में प्राप्त ईंधन

(2) कौन-सा खतरा 'जैव-ईंधन से नहीं है?

(क) जंगलों का कटना

(ख) खाद्यान्न उत्पादन में कमी

(ग) औद्योगिक उत्पादन में कमी

(घ) पर्यावरण संकट

(3) सोयाबीन और मक्का के भाव ऊपर चढ़ने का क्या कारण है -

(क) इनके उत्पादन में कमी

(ख) जैव ईंधन के कारण माँग में वृद्धि

(ग) किसानों द्वारा अधिक कीमत माँगना

(घ) उत्पादन में अधिक लागत आना

(4) जैव ईंधन कहाँ-कहाँ से प्राप्त किया जा रहा है?

(क) गन्ने और पाम से

(ख) जटरोपा से

(ग) रेपसीड से

(घ) उपर्युक्त सभी

(5) ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोत हो सकते हैं -

(क) हाइड्रोजन और सोलर पावर

(ख) विंड पावर

(ग) कैटल-वेस्ट

(घ) उपर्युक्त सभी

3. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए। **1x5=5**

मनमोहिनी प्रकृति की जो गोद में बसा है,
सुख स्वर्ग सा जहाँ है, वह देश कौन-सा है?
जिसके चरण निरंतर रत्नेश धो रहा है,
जिसका मुकुट हिमालय, वह देश कौन-सा है?

नदियाँ जहाँ सुधा की धारा बहा रही हैं,
सींचा हुआ सलोना, वह देश कौन-सा है?
जिसके बड़े रसीले फल-कंद-नाज मेवे,
सब अंग में सजे है, वह देश कौन-सा है?

जिसमें सुगंध वाले सुंदर प्रसून प्यारे,
दिन-रात हँस रहे हैं, वह देश कौन-सा है?
मैदान-गिरि-वनों में हरियालियाँ लहकतीं
आनंदमय जहाँ है, वह देश कौन-सा है?

जिसके अनंत धन से धरती भरी पड़ी है
संसार का शिरोमणि, वह देश कौन-सा है?
सबसे प्रथम जगत में जो सभ्य था यशस्वी,
जगदीश का दुलारा, वह देश कौन-सा है?

(1) 'वह देश कौन-सा है?' बार-बार क्यों कहा गया है? **1**
(क) अलग-अलग विशेषताओं को प्रकट करने के लिए
(ख) देश की याद दिलाने के लिए
(ग) अलग रूप न दर्शाने के लिए
(घ) भारत के अनेक नामों में से एक नाम चुनने के लिए

(2) हिमालय और सागर भारत देश के हैं - **1**
(क) सिर और पैर
(ख) बर्फ और जल
(ग) मुकुट और पैर धोने वाला
(घ) सुख और स्वर्ग

(3) किन पंक्तियों में कहा गया है कि भारतीय संस्कृति सबसे प्राचीन है? **1**
(क) जिसमें सुगंधवाले सुंदर प्रसून प्यारे
(ख) सबसे प्रथम जगत में जो सभ्य या यशस्वी
(ग) पृथ्वी-निवासियों को जिसने प्रथम जगाया
(घ) मनमोहिनी प्रकृति की जो गोद में बसा है

(4) भारत की नदियों को 'सुधा की धारा' कहा गया है, क्योंकि : **1**
(क) ये अपने अमृत समान जल से सभी को जीवन देती हैं।
(ख) ये खेत-खलिहान में अन्न उपजाने में सहायक हैं।
(ग) इनका औषधीय जल व्याधियाँ हर लेता हैं।
(घ) उपरोक्त तीनों ठीक हैं।

(5) 'अनंत धन' से कवि का क्या आशय है? **1**
(क) धरती के भीतर के खनिज
(ख) धन-दौलत और रुपया-पैसा
(ग) गढ़े हुए खज़ाने
(घ) खेतों में उगनेवाले अनाज का धन

4. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तरों वाले विकल्प चुनकर लिखिए। **1x5=5**

नीलांबर परिधान, हरित पट पर सुंदर है
सूर्य चंद्र युग मुकुट, मेखला रत्नाकर है
नदियाँ प्रेम प्रवाह, फूल तारे मंडन है
बंदीजन खग वृंद, शेष फन सिंहासन हैं
करते अभिषेक पयोद हैं, बलिहारी हम वेश की,
हे मातृभूमि, तू सत्य ही, सगुण मूर्ति सर्वेश की।
निर्मल तेरा नीर अमृत के सम उत्तम है,
शीतल-मंद-सुगंध पवन हर लेता श्रम है।
षड्ऋतुओं का विविध दृश्ययुत अद्‌भुत क्रम है,
हरियाली का फर्श नहीं मखमल से कम है।

शशि-सुधा सींचता रात में, तुझ पर चंद्र-प्रकाश है
हे मातृभूमि, दिन में तरणि, करता तम का नाश है।

(1) मातृभूमि को किसकी साकारमूर्ति माना गया है?
(क) ईश्वर की
(ख) भारत की
(ग) निर्मलता की
(घ) सूर्य और चंद्रमा की

(2) माँ का हरितपट क्या है?
(क) हरी साड़ी
(ख) हरे-भरे खेत
(ग) हरे खेत और वन
(घ) इंद्र-धनुष वाले बादल

(3) 'अभिषेक' कैसे किया जाता है?
(क) दूध के छींटे देकर
(ख) हिमपात के द्वारा
(ग) ओले बरसाकर
(घ) वर्षा की फुहारों से

(4) 'शशि' का पर्याय नहीं है?
(क) चाँद
(ख) निशाकर
(ग) दिवाकर
(घ) राकेश

(5) कवि के अनुसार भारत की नदियाँ क्या प्रवाहित करती है?
(क) अमृत
(ख) प्रेम
(ग) फूल
(घ) धनधान्य

खंड 'ख'

5. (i) 'जनरल के भाई साहब पधार चुके है।' वाक्य में संज्ञा पदबंध है - **1**
(क) भाई
(ख) भाई साहब
(ग) जनरल साहब
(घ) जनरल के भाई साहब

(ii) पहले दस-पंद्रह मिनट तो <u>मैं</u> उलझन में पड़ा रहा। रेखांकित पद का परिचय है - **1**
(क) संख्यावाचक विशेषण, एकवचन, स्त्रीलिंग
(ख) परिणामवाचक सर्वनाम, पुल्लिंग, एकवचन
(ग) पुरुषवाचक सर्वनाम, पुल्लिंग, अन्यपुरुष
(घ) उत्तम पुरुष, सर्वनाम, पुल्लिंग, बहुवचन

(iii) दूसरा अंडा उसी के हाथ से <u>गिरकर टूट गया</u>। रेखांकित पदबंध भेद है : **1**

(क) संज्ञा पदबंध

(ख) सर्वनाम पदबंध

(ग) क्रिया पदबंध

(घ) क्रियविशेषण पदबंध

(iv) अब वह भी <u>काम करता है</u> और हम भी। रेखांकित पद का परिचय है – **1**

(क) क्रिया, अकर्मक, एकवचन, पुल्लिंग

(ख) क्रिया, सकर्मक, एकवचन, पुल्लिंग

(ग) क्रिया, द्विकर्मक, एकवचन, पुल्लिंग

(घ) क्रिया, प्रेरणार्थक, एकवचन, पुल्लिंग

6. (i) निम्नलिखित में मिश्र वाक्य है – **1**

(क) जंगल की ज़िंदगी बड़ी खतरनाक होती है।

(ख) जंगल की जो ज़िंदगी होती है, वह बड़ी खतरनाक होती है।

(ग) खतरनाक होती है, जंगल की ज़िंदगी।

(घ) जंगल की ज़िंदगी खतरनाक होती ही है।

(ii) 'उन्होंने भी उसी उम्र में पढ़ना शुरू किया था, जब मैने शुरू किया।' रचना की दृष्टि से वाक्य का भेद है : **1**

(क) संयुक्त वाक्य

(ख) मिश्र वाक्य

(ग) सरल वाक्य

(घ) इच्छावाचक वाक्य

(iii) निम्नलिखित में संयुक्त वाक्य है – **1**

(क) बाहर बेढब-सा एक मिट्‌टी का बरतन था।

(ख) जो बर्तन बाहर रखा था, वह बहुत बेढब-सा था।

(ग) बाहर एक बरतन रखा था और वह बहुत बेढब था।

(घ) बाहर रखा हुआ बरतन बेढब था।

(iv) 'गौरी पढ़ती है। सृष्टि खेलती है।' इन वाक्यों से बना संयुक्त वाक्य है – **1**

(क) गौरी और सृष्टि पढ़ती हैं।

(ख) गौरी पढ़ती है और सृष्टि खेलती है।

(ग) गौरी पढ़ती है जबकि सृष्टि खेलती है।

(घ) सृष्टि खेलती है पढ़ती नहीं।

7. (i) 'हतोत्साह' का संधि-विच्छेद है – **1**

(क) हत + उत्साह

(ख) हतो + उत्साह

(ग) हत + ऊत्साह

(घ) हतो + त्साह

(ii) 'सदा + एव' की संधि है – 1

(क) सदाएव

(ख) सदैव

(ग) सदेव

(घ) सादैव

(iii) 'पथभ्रष्ट' समस्त पद का विग्रह है – 1

(क) पथ से भ्रष्ट

(ख) पथ का भ्रष्ट

(ग) पथ को भ्रष्ट

(घ) पथ के लिए भ्रष्ट

(iv) 'पढ़ा और लिखा' का समस्त पद है – 1

(क) पढ़ना-लिखना

(ख) पढ़कर लिखा

(ग) पढ़ा-लिखा

(घ) पढ़ाकर लिखा

8. (i) तुम अपना अपराध मेरे .... स्वयं बच निकलना चाहते हो। रिक्त स्थान के लिए उपयुक्त मुहावरा है। 1

(क) झंडा गाड़ना

(ख) मत्थे मढ़ना

(ग) जान बख्श देना

(घ) कूट-कूटकर भरना

(ii) हम जानते थे कि बाबू घनश्याम दास एक दिन महान बनेंगे क्योंकि वे बाल्यकाल से ही गंभीर प्रकृति के थे, ...। उपयुक्त लोकोक्ति चुनकर वाक्य पूरा कीजिए – 1

(क) हमारी बिल्ली हमीं से म्याऊँ

(ख) होनहार बिरवान के होते चीकने पात

(ग) दूध का दूध पानी का पानी

(घ) छोटा मुँह बड़ी बात

(iii) 'मत्थे मढ़ना' मुहावरे का अर्थ है – 1

(क) ज़बरदस्ती लाद देना

(ख) माथा फोड़ना

(ग) सिर फोड़ना

(घ) माथे से माथा टकराना

(iv) 'एक अनार सौ बीमार' लोकोक्ति का अर्थ है – 1

(क) कम वस्तु, चाहनेवाले अधिक

(ख) दिखावा अधिक, गुण कम

(ग) ठीक बँटवारा करना

(घ) कठिन काम होना

9. (i) निम्नलिखित में शुद्ध वाक्य है – **1**

(क) हमने पत्र पर हस्ताक्षर कर दिए हैं।

(ख) हमने पत्र पर हस्ताक्षर कर दिया है।

(ग) आप इस पत्र को अभी ले जाओ।

(घ) हम हमारा हस्ताक्षर वाला पत्र पढ़ लिए हैं।

(ii) निम्नलिखित में शुद्ध वाक्य है – **1**

(क) ट्रक टूटकर पेड़ पर गिर पड़ा।

(ख) पेड़ टूटकर ट्रक पर गिर पड़ा।

(ग) टूटा पेड़ और ट्रक किसका है?

(घ) किसी का हो, अपन को क्या करना।

(iii) निम्नलिखित में अशुद्ध वाक्य है – **1**

(क) आज वह अवश्य आएगा।

(ख) हर एक ने टोपियाँ पहन रखीं थी।

(ग) जैसे ही मैं स्टेशन पहुँचा, गाड़ी छूट गई।

(घ) घर में सब सकुशल हैं।

(iv) निम्नलिखित में से शुद्ध वाक्य है – **1**

(क) मैं तुमसे कहा था।

(ख) मैं गरम दूध पी रहा हूँ।

(ग) यह सेब रोगी को काटकर खिलाइए।

(घ) मेरे को मत रोको।

खंड 'ग'

10. किसी एक काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उचित उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए। 1x5=5

कर चले हम फिदा जानो-तन साथियो
अब तुम्हारे हवाले वतन साथियो
साँस थमती गई, नब्ज़ जमती गई
फिर भी बढ़ते कदम को न रुकने दिया
कट गए सर हमारे तो कुछ गम नहीं
सर हिमालय का हमने न झुकने दिया
मरते-मरते रहा बाँकपन साथियो
अब तुम्हारे हवाले वतन साथियो!

(1) 'सर हिमालय का हमने न झुकने दिया' का अर्थ है –

(क) हिमालय पर कब्जा नहीं होने दिया

(ख) शत्रु देश पर आक्रमण न कर सके।

(ग) भारत के सम्मान को बनाए रखा।

(घ) प्राणों की कुर्बानी देकर देश की रक्षा की।

(2) 'अब तुम्हारे हवाले' में 'तुम्हारे' किसके लिए आया है?

(क) कवि के लिए

(ख) नेताओं के लिए

(ग) अन्य सैनिकों के लिए

(घ) देशवासियों के लिए

(3) 'मरते-मरते रहा बाँकपन साथियो' का अर्थ है -

(क) वे शत्रु के लिए टेढ़े अर्थात बाँके हैं।

(ख) बर्फीले पहाड़ों पर उनके शरीर अकड़ गए

(ग) जवानों में साहस और वीरता की कमी नहीं थी।

(घ) उनके साथियों का स्वभाव टेढ़ा था।

(4) इस काव्यांश की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि क्या है?

(क) भारत-पाक युद्ध

(ख) भारत-चीन युद्ध

(ग) स्वतंत्रता संग्राम

(घ) आतंकवाद से संघर्ष

(5) फिर भी बढ़ते कदम को न रुकने दिया- 'बढ़ते कदम' का क्या अर्थ है?

(क) जान बचाने के लिए उठते कदम

(ख) शत्रु को खदेड़ने के लिए उठते कदम

(ग) सीमा पार करने के लिए उठते कदम

(घ) चलने की कोशिश करते कदम

अथवा

मधुर मधुर मेरे दीपक जल !
युग युग, प्रतिदिन प्रतिक्षण प्रतिपल,
प्रियतम का पथ आलोकित कर!
        सौरभ फैला विपुल धूप बन,
        मृदुल मोम-सा घुल रे मृदु तन;
दे प्रकाश का सिंधु अपरिमित,
तेरे जीवन का अणु गल-गल !
        पुलक-पुलक मेरे दीपक जल!

(1) कवयित्री किस से जलते रहने का आग्रह कर रही हैं? **1**

(क) सूर्य से

(ख) चंद्रमा से

(ग) मार्गदर्शक दीपक से

(घ) आस्था रुपी दीपक से

(2) 'मृदुल मोम-सा'- पंक्ति का क्या अर्थ है? **1**

(क) मीठे मोम की तरह

(ख) कोमल मोम की तरह

(ग) पिघले मोम के समान

(घ) जमे मोम की तरह

(3) 'सौरभ फैला विपुल धूप बन' का आशय है - **1**

(क) सौरभ विपुल धूप बनकर फैला

(ख) विपुल सौरभ धूप बनकर फैला

(ग) धूप ही सौरभ बनकर फैली

(घ) उपर्युक्त सभी ठीक हैं

(4) 'तेरे जीवन का अणु गल-गल' में 'तेरे' शब्द किसके लिए आया है? **1**

(क) मोम की बाती रूपी काया

(ख) प्रिय की प्रतीक्षा में प्रेयसी

(ग) अहंकार का गलना

(घ) तीनों सही हो सकते हैं।

(5) दीपक के पुलक-पुलक जलने का क्या अर्थ है? **1**

(क) प्रसन्न और रोमांचित होकर

(ख) हँस-हँसकर

(ग) उछल-उछलकर

(घ) दुखी और पराजित होकर

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से **किन्हीं दो** के उत्तर संक्षेप में दीजिए - **2½+2½=5**

(क) वज़ीर अली एक जाँबाज सिपाही था, कैसे? उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए।

(ख) 'गिन्नी का सोना' पाठ का संदेश अपने शब्दों में लिखिए।

(ग) 'झेन की देन' में चाय पीने के बाद लेखक ने स्वयं में क्या परिवर्तन महसूस किया?

(घ) वज़ीर अली ने कंपनी के वकील का कत्ल क्यों किया?

12. 'नेचर की सहनशक्ति की एक सीमा होती है।' गत कुछ वर्षों में घटित किसी घटना का उल्लेख करते हुए कथन की पुष्टि कीजिए। **5**

अथवा

'गिरगिट' पाठ में गिरगिट जैसा व्यवहार किसका है? उदाहरण देकर सिद्ध कीजिए।

13. **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**

''जनरल झिगालॉव! हूँ येल्दीरीन, मेरा कोट उतरवाने में मेरी मदद करो.... ओफ़्फ़ ! आज कितनी गरमी है। लग रहा है बारिश होकर रहेगी।'' ओचुमेलॉव ख्यूक्रिन की तरफ मुड़ा - ''एक बात मेरी समझ में नहीं आती आखिर इसने तुम्हें कैसे काट खाया? यह तुम्हारी उँगली तक पहुँचा कैसे? तू इतना लंबा-तगड़ा आदमी और यह रत्तीभर का जानवर ! ज़रुर ही तेरी उँगली पर कोई कील वगैरह गड़ गई होगी और तत्काल तूने सोचा होगा कि इस कुत्ते के मत्थे मढ़कर कुछ हरज़ाना वगैरह ऐंठकर फ़ायदा उठा लिया जाए। मैं तेरे जैसे शैतान को अच्छी तरह समझता हूँ।''

(क) ओचुमेलॉव ने मौसम के संबंध में क्या टिप्पणी की? 1

(ख) ख्यूक्रिन को कुत्ते ने नहीं काटा - यह सिद्ध करने के लिए ओचुमेलॉव ने क्या तर्क दिया? 2

(ग) ओचुमेलॉव के अनुसार ख्युक्रिन ने काटने का दोष कुत्ते के मत्थे क्यों मढ़ा? 2

अथवा

ऐसी एक घटना का जिक्र सिंधी भाषा के महाकवि शेख अयाज ने अपनी आत्मकथा में किया है। उन्होंने लिखा है एक दिन उनके पिता कुएँ से नहाकर लौटे। माँ ने भोजन परोसा। उन्होंने जैसे ही रोटी का कौर तोड़ा उनकी नज़र अपनी बाजू पर पड़ी। वहाँ एक काला च्योंटा रेंग रहा था। वह भोजन छोड़कर उठ खड़े हुए। माँ ने पूछा, 'क्या बात है? भोजन अच्छा नहीं लगा?' शेख अयाज के पिता बोले, 'नहीं, यह बात नहीं है। मैंने एक घरवाले को बेघर कर दिया है। उस बेघर को कुएँ पर उसके घर छोड़ने जा रहा हूँ।'

(क) घटना के उल्लेख से लेखक क्या प्रतिपादित करना चाहता है? 1

(ख) च्योंटा बाजू पर कहाँ से, कैसे आया था? 2

(ग) बेघर जीव के साथ क्या किया गया? क्यों? 2

14. (क) मैथिलीशरण गुप्त के अनुसार कोई भी स्वयं को अनाथ क्यों न समझे? 2

(ख) 'मधुर-मधुर मेरे दीपक जल' कविता का मूलभाव लिखिए। 2

(ग) बिहारी की नायिका यह क्यों कहती है, 'कहिहै सबु तेरौ हियौ,मेरे हिय की बात' स्पष्ट कीजिए 1

15. पी. टी. साहब की 'शाबास' फौज के तमगों सी क्यों लगती थी? स्पष्ट कीजिए। 3

अथवा

टोपी और इफ़्फ़न की दादी अलग-अलग महज़ब और जाति के थे पर एक अदृश्य अटूट रिश्ते से बंधे थे। इस कथन के आलोक में अपने विचार स्पष्ट करें।

16. मुअत्तली के दिनों में प्रीतमचंद का समय कैसे बीतता था? पाठ के आधार पर लिखिए। 2

खंड 'घ'

17. दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग *100* शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए - 5

(क) प्रकृति की रक्षा, मानव की सुरक्षा

- प्रकृति से खिलवाड़
- बढ़ता प्रदूषण
- प्रकृति की रक्षा मानव-जाति का कर्तव्य

(ख) मोबाईल के बिना सब सूना

- मोबाईल फोन या बढ़ता चलन
- अपरिहार्यता
- सावधानियाँ

(ग) **साँच को आँच नहीं**

- सत्य मार्ग पर चलने के लिए दृढ़ संकल्प
- सत्य का मार्ग प्रारंभ में कठिन
- सत्य के मार्ग पर चलने के लिए त्याग

18. दुकानदारों में बढ़ती जमाखोरी की प्रवृत्ति पर चिंता व्यक्त करते हुए किसी समाचार-पत्र के संपादक को पत्र लिखिए। **5**

अथवा

अपने विद्यालय में तरणताल की आवश्यकता और औचित्य समझाते हुए उसे बनवाने के लिए प्रधानाचार्य को पत्र लिखकर निवेदन कीजिए।

- o 0 o -